प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड आदिवासी सरना विकास समिति, धुर्वा राँची का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को चर्च मिशनरी द्वारा अंधविश्वास को बढ़ावा देने और गंभीर बीमारियों को ठीक करने के नाम पर अवैध धर्मान्तरण की गतिविधियों से अवगत कराते हुए संबंधित ज्ञापन समर्पित किया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम चान्द, थाना तुपुदाना, पंचायत हरदाग, प्रखण्ड नामकुम, जिला रांची में पिछले एक वर्ष से बिना किसी स्थानीय या जिला प्रशासन की अनुमति के झारखण्ड महाअभिषेक चर्च द्वारा टेंट पंडाल लगाकर यह दावा किया जा रहा है कि प्रभु यीशु के नाम पर प्रार्थना करने से अंधा, लंगड़ा, बहरा, गुंगा, महामारी, एड्स इत्यादि गंभीर बीमारियां ठीक हो सकती हैं। इसी बहाने गुप्त रूप से लोगों को धर्मान्तरण करवाया जा रहा है, जो अवैध है।

शिष्टमंडल ने कहा कि इस तरह के आयोजन अन्य स्थानों पर भी किए जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, शुभ संदेश एवं प्रार्थना सभा द जिजस इज लाईफ चर्च मैदान, अनगड़ा, रांची में 20 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। झारखंड रिवाइवल मिटिंग-2025 एच.ई.सी., धुर्वा, प्रभात तारा मैदान में 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। झारखंड प्रार्थना महोत्सव गुमला बहमनी, ऐरो ड्राम मैदान, नियर डॉन वास्तको स्कूल, गुमला में 15-17 अक्टूबर 2025 को आयोजित हो रहे हैं।

शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय से इस तरह की गैरकानूनी एवं अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली प्रार्थना सभाओं पर रोक लगाने और उचित कार्रवाई हेतु पहल करने का आग्रह किया।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज Jharkhand Urology Society (East Zone Chapter of Urological Society of India) द्वारा होटल वेव इंटरनेशनल, सरायकेला-खरसावाँ में आयोजित '34वें वार्षिक सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यूरोलॉजी चिकित्सा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट शाखा है, इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि हमारे देश के चिकित्सक इन आधुनिक तकनीकों को आत्मसात कर विश्वस्तरीय उपचार प्रदान कर रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में यूरोलॉजिस्ट की कमी को एक गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि इस कारण अनेक मरीजों को उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक, शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस चुनौती के समाधान के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं को छोटे शहरों तक पहुँचाने के सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

माननीय राज्यपाल ने स्वास्थ्य जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि पथरी, प्रोस्टेट तथा मूत्र संक्रमण जैसी बीमारियाँ आज आम होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग पथरी के दर्द को सामान्य दर्द समझ लेते हैं और मेडिकल स्टोर से दवा लेकर लोग उपचार करने लगते हैं, जिससे बीमारी बढ़ जाती है और जटिल स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें, किसी भी असामान्य लक्षण को हल्के में न लें और समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श ले। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने खानपान और जीवनशैली दोनों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ आदतें ही स्वस्थ जीवन का आधार हैं।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाए गए ऐतिहासिक कदमों आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और जन औषधि केंद्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहल देश के करोड़ों नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में वरदान साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि “स्वस्थ भारत ही समृद्ध भारत का आधार है।”

माननीय राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान मानवीयता के भी सर्वोच्च रूप हैं। चिकित्सक समाज के लिए जीवनदायिनी और नई आशा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मेलन न केवल ज्ञानवर्धक हैं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में भी सार्थक योगदान देते हैं।

राज्यपाल महोदय ने सभी राज्यवासियों को आगामी पर्व धनतेरस, दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।